डीआरडीओ समाचार

www.drdo.gov.in

डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

नवंबर 2023 खण्ड 35 अंक 11

ISSN: 0971-4405

आईएनएस सागरध्वनि सागर मैत्री मिशन पर रवाना

संरक्षक: डॉ के नागेश्वर राव
मुख्य संपादक: सुधांशु भूषण
संपादक: दीप्ति अरोडा
सहायक संपादक: धर्म वीर
अनुवादक: सुनील कुमार दुबे
मुद्रण: एस के गुप्ता

प्रकाशन का 35वां वर्ष

डीआरडीओ समाचार के ई–संस्करण तक पहुंचने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

हमारे संवाददाता

अहमदनगर	:	श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई)
अंबरनाथ	:	डॉ गणेश एस धोले, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल)
चांदीपुर	:	श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर)
		श्री रत्नाकर एस महापात्रा, प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई)
बेंगलूरु	:	श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई)
		श्रीमती एम आर भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स)
		श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर)
		डॉ जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक)
		डॉ संचिता सिल तथा डॉ सुधीर एस काम्बले, रक्षा जैव अभियांत्रिकी एवं विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल)
		डॉ वी सेंथिल, गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई)
		श्री वेंकटश प्रभु, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई)
		सुश्री मीता जना, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी)
चंडीगढ़	:	डॉ पाल दिनेश कुमार, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशला (टीबीआरएल)
		डॉ अनुजा कुमारी, रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान स्थापना (डीजीआरई)
चेन्नई	:	श्री के अंबाझगन, युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई)
देहरादून	:	श्री अभय मिश्रा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील)
		श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई)
दिल्ली	:	श्री तपेश सिन्हा, रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक)
		डॉ दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास)
		श्री संतोष कुमार चौधरी, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर)
		श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास)
		श्रीमती रबिता देवी, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा)
		श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी)
		डॉ रुपेश कुमार चौबे, ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल)
ग्वालियर	:	डॉ ए के गोयल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई)
हल्द्वानी	:	डॉ अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव–ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
हैदराबाद	:	श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल)
		श्री ए आर सी मूर्ति, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल)
		डॉ मनोज कुमार जैन, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल)
जगदलपुर	:	श्री खिलावन सिंह, एसएफ परिसर (एसएफसी)
जोधपुर	:	श्री डी के त्रिपाठी, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल)
कानपुर	:	डॉ मोहीत कटियार, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई)
कोच्चि	:	श्रीमती लीथा एम एम, नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल)
लेह	:	डॉ डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार)
मसूरी	:	ग्रुप कैप्टन आर के मंशारमानी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम)
मैसूर	:	डॉ एम पालमुरुगन, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल)
नासिक	:	श्री आशुतोष शर्मा, ऊर्जावान सामग्री के लिए अग्रिम केन्द्र (एसीईएम)
पुणे	:	श्री अजय के पांडे, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई)
		डॉ विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी)
		डॉ गणेश शंकर डोम्बे, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल)
तेजपुर	:	डॉ के एस नखरु, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)
विशाखापत्तनम	:	श्रीमती ज्योत्सना रानी, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल)

इस अंक में

मुख्य लेख 4

प्रौघोगिकी हस्तांतरण 5

घटनाक्रम 6

मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप 18

कार्मिक समाचार 23

निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम 26

वेबसाइटः https://www.drdo.gov.in/samachar
अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें:
director.desidoc@gov.in; drdonl.desidoc@gov.in
दूरभाषः 011-23902403, 23902472
फैक्सः 011-23819151

आईएनएस सागरध्वनि सागर मैत्री मिशन पर रवाना

डीआरडीओ का समुद्र विज्ञान अनुसंधान पोत 'आईएनएस सागरध्वनि' 'महासागर अनुसंधान एवं विकास' में हिंद महासागर रिम देशों के साथ दीर्घकालिक वैज्ञानिक साझेदारी स्थापित करने के लिए सागर मैत्री मिशन-4 पर रवाना हुआ।

आईएनएस सागरध्वनि, डीआरडीओ की नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल) का एक समुद्र विज्ञान अनुसंधान पोत, कोच्चि के दक्षिणी नौसेना कमान (एसएनसी) के दक्षिण जेट्टी से दो महीने लंबे सागर मैत्री (एसएम) मिशन–4 पर 11 अक्टूबर 2023 को रवाना हुआ। डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आरएंडडी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने कार्यवाहक फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ (दक्षिण) रियर एडमिरल उपल कुंडू तथा डीआरडीओ और भारतीय नौसेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में पोत को हरी झंडी दिखाई।

सागर मैत्री डीआरडीओ की एक अनूठी पहल है जो माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 'क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (सागर)' नामक घोषित निति के व्यापक उद्देश्य का समर्थन करती है ताकि सामाजिक–आर्थिक पहलुओं पर अधिक सहयोग के साथ–साथ महत्वपूर्ण वैज्ञानिक विचार विमर्श को विशेष रूप से हिंद महासागर रिम (आईओआर) देशों के बीच समुद्री अनुसंधान के सम्बन्ध में विचार विमर्श को बढ़ावा दिया जा सके। इस नीति के तत्वावधान में, डीआरडीओ ने 'मैत्री (समुद्री और संबद्ध अंतःविषय प्रशिक्षण और अनुसंधान पहल)' नामक एक वैज्ञानिक पहल शुरू की, जो 'महासागर अनुसंधान और विकास' के क्षेत्र में आईओआर देशों के साथ दीर्घकालिक सहयोग स्थापित करने पर केंद्रित है।

सागर मैत्री कार्यक्रम में, आईएनएस सागरध्वनि आईएनएस किस्तना के ट्रैक को दोहराएगा, जिसने 1962–65 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय हिंद महासागर अभियान में भाग लिया था। मिशन का लक्ष्य आठ आईओआर देशों ओमान, मालदीव, श्रीलंका, थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया और म्यांमार के साथ दीर्घकालिक वैज्ञानिक साझेदारी और सहयोग स्थापित करना है।

प्रथम सागर मैत्री मिशन में, प्रतिनिधिमंडल ने अप्रैल 2019 में यांगून (म्यांमार) का दौरा किया, इसके बाद दूसरे मिशन (एसएम–2) में अगस्त 2019 में क्लैंग (मलेशिया) और सितंबर 2019 में सिंगापुर का दौरा किया, जिसमें सभी तीनों देशों में एक दिवसीय वैज्ञानिक सेमिनार का संचालन भी शामिल था। फरवरी 2020 में, एनपीओएल ने तीसरे मिशन के हिस्से

के रूप में, भूमध्यरेखीय पारगमन सहित दक्षिणी हिंद महासागर में समुद्र संबंधी अध्ययन किया।

वर्तमान मिशन (एसएम–4) योजना में उत्तरी अरब सागर में आईएनएस सागरध्वनि पर वैज्ञानिक तैनाती और ओमान के सुल्तान काबूस विश्वविद्यालय में समुद्री विज्ञान और मत्स्य पालन विभाग के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यक्रम शुरू करना शामिल है। ये मिशन वैज्ञानिकों को महासागरों का अध्ययन करने वाले अपने आईओआर समकक्षों के साथ सहयोग करने और मजबूत कामकाजी संबंध बनाने का अवसर देते हैं।

आईएनएस सागरध्वनि एक समुद्री ध्वनिक अनुसंधान पोत है जिसे एनपीओएल, कोच्चि द्वारा अभिकल्पित और विकसित किया गया है, और जीआरएसई लिमिटेड द्वारा स्वदेशी रूप से निर्मित किया गया है। इसका प्रमोचन जुलाई 1994 में किया गया। एनपीओएल समुद्री पर्यावरण और अन्य

संबंधित क्षेत्रों का अध्ययन करने में शामिल है। यह पोत पिछले 25 वर्षों से व्यापक समुद्री अवलोकन मिशनों और अनुसंधानों में संलग्न है।

नैनोकरक्यूमिन फॉर्मूलेशन के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

रक्षा शरीर क्रिया एवं सम्बद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास), दिल्ली ने राइट वेंट्रिकुलर हाइपरट्रॉफी (आरवीएच) सहित उच्च ऊंचाई जनित बीमारियों को ठीक करने के लिए नैनोकरक्यूमिन–आधारित फॉर्मूलेशन पर एक तकनीक विकसित की है। प्रौद्योगिकी को एसएआर सेल्युलैब्स प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम को 20 सितंबर, 2023 को डिपास के 62वें स्थापना दिवस के अवसर पर हस्तांतरित कर दिया गया। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण दस्तावेज डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आरएंडडी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ द्वारा डॉ यूके सिंह, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एलएस), डॉ राजीव वार्ष्णेय, निदेशक डिपास और डॉ दीपिका सारस्वत, वैज्ञानिक 'एफ' (आविष्कारक) की उपस्थिति में सौंपे गए।

प्रथम किसान-जवान-विज्ञान मेला

रक्षा जैव–ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर), हल्द्वानी ने संस्थान की हीरक जयंती के अवसर पर 14–16 अक्टूबर 2023 के दौरान प्रथम किसान–जवान–विज्ञान मेले का आयोजन किया। माननीय रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट ने डिबेर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित किया और रक्षा क्षेत्र में देश की बढ़ती शक्ति पर बात की। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सैन्य शक्ति में ऊर्जा एक महत्वपूर्ण कारक है, और यह उत्साहजनक है कि भारतीय वैज्ञानिक स्वदेशी रूप से उच्च–स्तरीय ऊर्जा उत्पादन और प्रबंधन उपकरण का उत्पादन कर रहे हैं।

कुल 103 प्रदर्शकों ने मेले में भाग लिया, जिनमें से 84 आमंत्रित थे और शेष भागीदार थे। मेले में पांच केंद्र सरकार और पंद्रह राज्य सरकार के विभाग, पंद्रह स्वयं सहायता समूह, दो एफपीओ और एक पीएसयू प्रदर्शक थे।

प्रदर्शकों द्वारा जैविक खेती, प्रौद्योगिकी–गहन खेती, सौर ऊर्जा और संकर ऊर्जा प्रणालियों के प्रदर्शनी स्टॉल प्रदर्शित किए गए। मेले के दौरान डिबेर ने बेहतर पैदावार वाले गुणवत्तापूर्ण बीज, पौधे और फलों के पौधे भी वितरित किए।

माननीय रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट ने प्रगतिशील किसानों, तकनीकी–अनुकूल सेना इकाइयों, उत्कृष्ट रक्षा उद्योग और शिक्षा जगत के शोधकर्ताओं को सम्मानित किया। कुल मिलाकर, किसानों, एफपीओ, गैर सरकारी संगठनों और उद्यमियों को खेती में उत्कृष्टता के लिए पंद्रह पुरस्कार; कारगिल नायकों और युद्ध विधवाओं को बीस पुरस्कार; सेना की इकाइयाँ और अर्धसैनिक बल, उद्योग और एमएसएमई को बीस पुरस्कार; तथा अकादमिक क्षेत्र में शोधकर्ताओं को पांच पुरस्कार दिए गए। हाल के वर्षों में, डिबेर उत्तराखंड के पिथौरागढ, चमोली और उत्तरकाशी जिलों में 5,000 से अधिक किसानों से जुड़ा है। डिबेर जैविक और प्रगतिशील किसानों और एफपीओ को नए बाजार बनाने में भी मदद कर रहा है, जिनमें विदेशी बाजार भी शामिल हैं।

जिन प्रमुख एफपीओ के साथ डिबेर काम कर रहा है उनमें से एक बेरीनाग चाय है, जो अपने उत्पाद को अन्य देशों में निर्यात करने के लिए लगभग तैयार है। इसी तरह, डिबेर हिमालय में किसानों को हल्दी की उन्नत किस्में भी वितरित कर रहा है, जिसमें नकदी फसल के रूप में खेती करने की क्षमता है।

माननीय रक्षा राज्य मंत्री ने इस अवसर पर छह नई अनुसंधान सुविधाओं का भी उद्घाटन किया, जिनमें बायोमास और प्लाज्मा–आधारित गैसीकरण प्रणाली, सभी मौसम के लिए बायोमेथेनेशन संयंत्र, प्लाज्मा गैसीकरण प्रणाली, विश्लेषणात्मक प्रयोगशाला, स्वचालित फर्टिगेशन प्रणाली और उच्च ऊंचाई वाला सीवेज उपचार परीक्षण बेड शामिल हैं। बाद में, रक्षा राज्य मंत्री ने डिबेर द्वारा विकसित नए उत्पादों का प्रमोचन किया, जिसमें स्मार्ट हाइब्रिड एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम (एसएचईएमएस), विभिन्न क्षेत्र ऊर्जा प्रणालियाँ और हाइब्रिड ऊर्जा प्रणालियाँ शामिल थीं। केंद्र प्रमुख देवकांत पहाड़ सिंह ने कहा कि एसएचईएमएस को दिल्ली स्थित रोहाल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से दक्षिणी कमान द्वारा अपने मानवरहित प्रणालियों के प्रबंधन की आवश्यकता के विरुद्ध विकसित किया गया था।

एसएचईएमएस पहले ही पोखरण में उपयोगकर्ता–सहायता प्राप्त तकनीकी परीक्षण (युएटीटी) से गुजर चुका है। डॉ यूके सिंह, महानिदेशक (एलएस) ने कहा कि यह उपकरण सैनिकों और फील्ड ऑपरेशनों की निर्बाध गतिशीलता का समर्थन करेगा और इसे कहीं भी और किसी भी संघर्ष या शांतिकाल के समय में तैनात किया जा सकता है।

रामगढ़ में उद्योग तालमेल बैठक

चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल), चंडीगढ़ ने स्वदेशी प्रणालियों का अभिकल्पन, विकास, परीक्षण और मूल्यांकन के लिए सहयोग को बढ़ाने के उद्देश्य से 07 अक्टूबर 2023 को रामगढ़ रेंज, पंचकुला में एक दिवसीय उद्योग तालमेल बैठक का आयोजन किया।

बैठक का उद्देश्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में उतरने वाले निजी उद्योगों के बीच तालमेल को मजबूत करना था। टीओटी और थोक उत्पादन के लिए टीबीआरएल द्वारा विकसित विभिन्न प्रौद्योगिकियों और उत्पादों की एक प्रदर्शनी भी प्रदर्शित की गई। पूरे देश से 90 से अधिक उद्योग भागीदारों ने भाग लिया और रक्षा प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सहयोग में अपनी रुचि दिखाई। टीबीआरएल में परीक्षण सुविधाओं के उपयोग की प्रक्रिया भी समझाई गई। टीबीआरएल और डीआरडीओ मुख्यालय के 70 से अधिक वैज्ञानिकों ने बातचीत की और उद्योग भागीदारों के सवालों के जवाब दिए।

सीवीआरडीई में रक्षा एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी

डीआरडीओ ने 03–05 सितंबर 2023 के दौरान चेन्नई में आयोजित 'रक्षा एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी (डी एण्ड टीई)–बदलता भारत शो 2023' में भाग लिया। संग्राम वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई), चेन्नई, नोडल प्रयोगशाला थी, और वायु वहित प्रणाली केंद्र (कैब्स), इलेक्ट्रॉनिक्स और रडार विकास स्थापना (एलआरडीई), गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई), तथा नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल) ने प्रदर्शनी के दौरान भाग लिया और अपने स्वदेशी रूप से विकसित उत्पादों का प्रदर्शन किया। आयोजन का उद्देश्य रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) की भागीदारी को बढ़ावा देना और उन्हें रक्षा विनिर्माण के लिए उपलब्ध अवसरों का एहसास कराना था।

डीआरडीओ ने प्रदर्शनी के दौरान प्रमुख उत्पादों और उन्नत प्रौद्योगिकियों के स्केल–डाउन मॉडल प्रदर्शित किए। श्री वी बालामुरुगन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, सीवीआरडीई; डॉ वी बालामुरुगन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं सहनिदेशक; श्री जे राजेश कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं सहनिदेशक; और श्री टी पनीरसेल्वम, वैज्ञानिक 'जी' एवं अतिरिक्त निदेशक, सीवीआरडीई ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई। उद्घाटन समारोह के दौरान डीपीआई के निदेशक श्री वी के कौशिक मुख्य अतिथि थे और रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे।

प्रौद्योगिकी परिषद की 7वीं बैठक

नज़दीकी संवाद और सहयोगात्मक समाधानों को बढ़ावा देने के लिए, प्रौद्योगिकी परिषद (टीसी) और उच्च परिषद (एसी) का गठन किया गया। प्रौद्योगिकी परिषद की सातवीं बैठक (टीसीएम) 20 सितंबर 2023 को डीआरडीओ भवन में आयोजित की गई थी।

बैठक की अध्यक्षता डॉ चंद्रिका कौशिक, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (पीसी एण्ड एसआई), चेयरपर्सन, टीसीएम ने की, जिसमें श्री संगीता राव आचार्य, निदेशक, डीएलआईसी सदस्य सचिव थे। गृह मंत्रालय, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी), भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), असम राइफल्स और आईबी के सदस्यों ने इसमें भाग लिया। यन्त्र अनुसंधान और विकास संस्थान (आईआरडीई), रक्षा सामग्री एवं

भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल), और रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील) ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से और चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल) ने इसमें व्यक्तिगत रूप से भाग लिया ।

डीएलआईसी के निदेशक ने उन सभी उत्पादों पर हुई प्रगति के बारे में बात की जो 6वीं टीसीएम के तहत की जा सकती हैं। इनमें विभिन्न प्रकार के आरओवी, एंटी–ड्रोन सिस्टम, एक ध्वनिक सेंसर–आधारित गन लोकेटर, एसडी तंत्र के साथ एक 40 मिमी ग्रेनेड और कुछ अन्य उत्पाद शामिल थे।

विजन गोवा-2023

विजन गोवा–2023 प्रदर्शनी 4–6 अक्टूबर 2023 के दौरान पणजी, गोवा में आयोजित की गई थी। प्रदर्शनी के दौरान एनपीओएल, एनएमआरएल, एआरडीई, एनएसटीएल और आर एंड डीई (ई) द्वारा विकसित विभिन्न उत्पादों को डीआरडीओ मंडप में प्रदर्शित किया गया था। गोवा के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत और बंदरगाह, जहाजरानी जलमार्ग और पर्यटन राज्य मंत्री श्री श्रीपद वाई नाइक ने डीआरडीओ प्रदर्शनी स्टाल का दौरा किया। प्रदर्शनी के तीन दिनों के दौरान, डीआरडीओ स्टालों ने उद्योग, शैक्षणिक संस्थानों और छात्रों से कई आगंतुकों को आकर्षित किया। प्रदर्शनी के

दौरान डीआरडीओ को सर्वश्रेष्ठ पवेलियन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

हिन्दी पखवाड़ा समारोह

डेबेल, बेंगलुरु

रक्षा जैव प्रौद्योगिकी एवं विद्युत चिकित्सकीय प्रयोगशाला (डेबेल), बेंगलुरु में 01–14 सितंबर 2023 के दौरान हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। हिंदी और गैर–हिंदी भाषी कर्मचारियों के लिए अलग–अलग प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। 27 सितंबर 2023 को हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह मनाया गया। डॉ रवींद्र सिंह, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीपीए आरओ एंड एम इस अवसर के मुख्य अतिथि थे। डॉ टीएम कोटरेश, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डेबेल ने अपने संबोधन में आधिकारिक भाषाओं के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि हिंदी एक ऐसी भाषा है जिसके माध्यम से हमारी प्रौद्योगिकियाँ आम लोगों तक आसानी से पहुंच सकती हैं। श्री अरुण कुमार, वैज्ञानिक 'एफ' ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया, और श्रीमती के थारा कुमारी, प्रशासनिक अधिकारी ने वर्ष 2022–23 के लिए राजभाषा कार्यान्वयन रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस अवसर पर डेबेल की हिंदी पत्रिका 'संचयिका 2022–23' का भी विमोचन किया गया।

डेसीडॉक, दिल्ली

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली ने 14–28 सितंबर 2023 के दौरान हिंदी पखवाड़ा मनाया। पखवाड़े के दौरान कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। डेसीडॉक के निदेशक डॉ के. नागेश्वर राव ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने उद्घाटन भाषण में, डॉ राव ने डेसीडॉक कर्मचारियों को हिंदी का अधिकतम उपयोग करने के लिए प्रेरित किया और उनसे हिंदी प्रतियोगिताओं में अधिकतम भागीदारी के लिए आग्रह किया। समापन समारोह के दौरान कुल 8 प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और विजेताओं को निदेशक, डेसीडॉक द्वारा पुरस्कृत किया गया। श्री विवेक कुमार, वैज्ञानिक 'ई' और राजभाषा अधिकारी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

महानिदेशक (एनएस एंड एम) कार्यालय, विशाखापत्तनम

01–14 सितंबर 2023 के दौरान महानिदेशक (एनएस एंड एम), विशाखापत्तनम के कार्यालय में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। अपने उद्घाटन भाषण के दौरान, मुख्य अतिथि डॉ वाई श्रीनिवास राव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएस एंड एम) ने कहा कि यद्यपि हम अलग–अलग भाषाएं बोलते हैं, लेकिन हिंदी वह भाषा है जो हम सभी को बांधती है। श्री बी बाला जवाहर, आईडीएएस और आईएफए (आरएंडडी) ने आधिकारिक संचार में यथासंभव हिंदी का उपयोग करने की सलाह दी। आयोजन के दौरान, महानिदेशक (एनएसएंडएम) और आईएफए (आरएंडडी) के कर्मचारियों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। समापन समारोह 14 सितंबर 2023 को आयोजित किया गया और पुरस्कार वितरित किए गए।

डीआईपीआर, दिल्ली

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली, ने 22 सितंबर से 11 अक्टूबर 2023 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ अनिल कुमार मिश्रा, निदेशक, इनमास के द्वारा डॉ अरुणिमा गुप्ता, निदेशक, डीआईपीआर, डॉ आर के सोखी, वैज्ञानिक 'जी' एवं उपाध्यक्ष, ओएलआईसी, डॉ सौमी अवस्थी, वैज्ञानिक 'जी' एवं अतिरिक्त निदेशक, वरिष्ठ वैज्ञानिकों, सेवा अधिकारियों, और डीआईपीआर समुदाय के अन्य सदस्यों की उपस्थिति में किया। ।

डॉ मिश्रा ने प्रयोगशाला में की जा रही विभिन्न पहलों और राजभाषा गतिविधियों के लिए डीआईपीआर की सराहना की और कर्मचारियों को अपने दैनिक पत्राचार में

महानिदेशक (एनएस एंड एम) कार्यालय में हिंदी पखवाड़ा समारोह

हिंदी का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। श्री अशोक कुमार, सहायक निदेशक (ओएल) ने कार्यक्रम का संचालन किया।

डीएल, जोधपुर

14–29 सितंबर 2023 के दौरान रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर (डीएलजे) में हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्री आरवी हाराप्रसाद, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएलजे द्वारा किया गया था। डॉ वीसी जानू वैज्ञानिक 'एफ' एवं उपाध्यक्ष, राजभाषा समिति ने हिंदी पखवाड़ा के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर प्रयोगशाला की वार्षिक गृह पत्रिका 'मरुतरंग' के 28वें अंक का विमोचन भी मुख्य अतिथि श्री पंकज कुमार सिंह, डीआरएम, जोधपुर द्वारा किया गया।

डीएमआरएल, हैदराबाद

रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने 14–29 सितंबर, 2023 के दौरान हिंदी पखवाड़ा मनाया। विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें 130 से अधिक कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। समापन समारोह और हिंदी दिवस 29 सितंबर, 2023 को मनाया गया। श्रीमती जयश्री अयंगर, मुख्य प्रबंधक, एसबीआई (सेवानिवृत्त), मुख्य अतिथि थीं। श्री विपिन कुमार, संयोजक एवं सचिव (ओएलआईसी) ने पिछले वर्ष की ओएलआईसी की प्रगति

रिपोर्ट प्रस्तुत की। सह निदेशक डॉ अमित भट्टाचार्य ने सभा को संबोधित किया और उन्हें हिंदी में बोलने के लिए प्रेरित किया।

डीएमएसआरडीई, कानपुर

18–29 सितंबर 2023 के दौरान रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर ने हिंदी पखवाड़ा–2023 का आयोजन किया। डॉ मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमएसआरडीई ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह का उद्घाटन और समापन किया। अन्य प्रतियोगिताओं के अलावा, हिंदी पखवाड़ा के समापन दिवस पर एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें डीएमएसआरडीई के 15 कवियों ने भाग लिया और कानपुर के दो प्रसिद्ध कवियों को अपनी कविताएँ सुनाने के लिए आमंत्रित किया गया। डॉ राकेश कुमार गुप्ता, वैज्ञानिक 'ई' एवं राजभाषा अधिकारी ने पखवाड़ा समारोह का अवलोकन प्रस्तुत किया और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी प्रतिभागियों और पूरी आयोजन टीम को धन्यवाद दिया।

जीटीआरई, बेंगलुरु

30 अगस्त 2023 से 11 सितंबर 2023 के दौरान गैस टरबाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान (जीटीआरई), बेंगलुरु में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। उपलब्ध हिंदी पुस्तकों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन 30 अगस्त 2023 को उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डॉ एसवी रमनामूर्ति ने किया। श्री प्रकाश कुमार यदु, वैज्ञानिक 'एफ' एवं ओएलआईसी के उपाध्यक्ष, ने राजभाषा पर वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके बाद 4 अक्टूबर 2023 को समापन समारोह आयोजित किया गया और मुख्य अतिथि के रूप में मेजर जनरल ब्रज भूषण झा (सेवानिवृत्त), पूर्व महानिदेशक (डीआरडीओ) ने समारोह की शोभा बढाई। इस अवसर पर हिंदी घरेलू पत्रिका 'हंसा' के 20वें संस्करण का भी विमोचन किया गया।

साथ ही इस अवसर पर हिंदी

जीटीआरई, बेंगलुरु में हिंदी पखवाड़ा समारोह

पुस्तक प्रदर्शनी के सफल आयोजन के लिए जीटीआरई पुस्तकालय टीम को सम्मानित किया गया। श्री निरंजन एन कद्दी, तकनीकी अधिकारी 'बी' ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

एनपीओएल, कोच्चि

नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि ने 06–22 सितंबर 2023 के दौरान हिंदी पखवाड़ा मनाया। डॉ अजित कुमार के, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनपीओएल ने 6 सितंबर 2023 को पखवाड़ा का उद्घाटन किया और उद्घाटन व्याख्यान दिया। श्री के मोहनन, वैज्ञानिक 'जी' और निदेशक (प्रबंधन) ने शुभकामनाएं दीं। इस दिन हिंदी औचक परीक्षण भी आयोजित किया गया। समारोह के दौरान एनपीओएल कर्मचारियों के लिए हिंदी में 14 प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। एनपीओएल के अंतर्जलीय ध्वनिक अनुसंधान सुविधा (यूएआरएफ) के कर्मचारियों के लिए, यूएआरएफ परिसर, इडुक्की में एक हिंदी हस्तलेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। श्रीमती प्रीति भास्कर, वैज्ञानिक 'एफ' हिंदी पखवाड़ा समारोह समिति की अध्यक्ष थीं।

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम में वार्षिक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन 14–28 सितंबर 2023 के दौरान किया गया। उद्घाटन समारोह के दौरान एनएसटीएल कर्मचारियों को संबोधित करते हुए, एनएसटीएल के उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक डॉ अब्राहम वर्गीस ने शुभकामनाएं दीं और आधिकारिक गतिविधियों में राजभाषा को लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया। पखवाड़े के तहत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। डॉ पीके पटनायक, वैज्ञानिक 'एफ', अध्यक्ष, हिंदी पखवाड़ा समारोह समिति–2023, ने अपने संबोधन में सभा को पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी और बताया कि कैसे हिंदी भाषा में दक्षता विकसित करने के लिए कार्यक्रमों को तैयार किया गया था। श्री विवेक शर्मा, वैज्ञानिक 'एफ' एवं हिंदी अधिकारी ने सभी प्रतिभागियों और पूरी आयोजन टीम की सराहना की।

स्वच्छता पखवाड़ा

डीआरडीओ, मुख्यालय

'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत सचिव, डीडी आरएंडडी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ, महानिदेशकों और निदेशकों द्वारा डीआरडीओ भवन तथा अन्य स्थानों पर सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें सभी कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम को डीआरडीओ की सभी प्रयोगशालाओं में भी पूरे उत्साह के साथ मनाया गया और स्वच्छता के महत्व पर भी जोर दिया गया। इस दौरान 95 स्थानों पर 20,000 से अधिक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य लोगों द्वारा लगभग 30,000 मानव घंटे का श्रम दान किया गया।

डीआरडीओ मुख्यालय, नई दिल्ली में स्वच्छता पखवाड़ा

सीएमएसडीएस, कोलकाता

स्वच्छता पखवाड़ा में जागरूकता और सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए, मिलीमीटरवेव अर्धचालक उपकरण एवं प्रणाली केन्द्र (सीएमएसडीएस), कोलकाता के अधिकारियों और कर्मचारियों ने आस–पास के सरकारी स्कूलों का दौरा किया और विभिन्न आकर्षक गतिविधियों के आयोजन के साथ–साथ हर गतिविधि पर पुरस्कार भी दिया। एक वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा स्वच्छता अभियान पर एक व्याख्यान दिया गया जिसमें स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाए रखने में छात्रों की भूमिका पर जोर दिया गया। क्विज, पोस्टर मेकिंग और स्लोगन प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। छात्रों को स्वच्छ भारत मिशन और

स्वच्छता के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई। संस्थान में अन्य गतिविधियों के अलावा, इस दौरे का उद्देश्य अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं, व्यक्तिगत स्वच्छता के बारे में छात्रों के ज्ञान को बढ़ाना और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने में सामुदायिक जिम्मेदारी और गर्व की भावना को बढ़ावा देना था।

डेसीडॉक, दिल्ली

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली 03 अक्टूबर 2023 को स्वच्छता पखवाड़ा के एक भाग के रूप में स्वच्छता अभियान का साक्षी रहा। इस अवसर के दौरान, डेसीडॉक के सभी कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता शपथ ली गई। डेसीडॉक के निदेशक डॉ के नागेश्वर राव ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मेटकाफ हाउस परिसर का दौरा किया और परिसर की सफाई गतिविधि में भाग लिया।

डीएल, जोधपुर

1 अक्टूबर 2023 (एक तारीख एक घंटा कार्यक्रम) को रक्षा प्रयोगशाला (डीएल), जोधपुर में एक वॉकाथॉन (लगभग 3 किमी) आयोजित किया गया। परिसर को कचरा मुक्त बनाने का संदेश फैलाने के लिए परिसर की सफाई और प्लास्टिक कचरा संग्रहण अभियान भी आयोजित किया गया। हमारे पर्यावरण की सुरक्षा के बारे में जागरूकता का संदेश फैलाने के लिए चौबीस पौधे लगाए गए।

डीआरएल, तेजपुर

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर ने 1 अक्टूबर 2023 को 'स्वच्छता ही सेवा' पर डीआरएल, तेजपुर की सड़क के आसपास एक सफाई अभियान का आयोजन किया। सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्वानों और अन्य लोगों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।

इनमास, दिल्ली

02–31 अक्टूबर 2023 के दौरान इनमास, दिल्ली में 'स्वच्छता ही सेवा' सप्ताह का आयोजन किया गया। स्वच्छता सप्ताह के दौरान पुराने एवं अप्रयुक्त फर्नीचर के निस्तारण के साथ–साथ रिकार्ड रूम की भी साफ–सफाई की गई तथा वहां स्थित पुराने एवं प्रयोग में न आने वाले दस्तावेजों का निस्तारण किया गया। सप्ताह के आरंभ समारोह के दौरान, इनमास के निदेशक ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित किया और संस्थान के पूरे परिसर की सफाई के लिए श्रमदान किया।

एनएमआरएल, अंबरनाथ

15 सितंबर 2023 से 2 अक्टूबर 2023 के दौरान नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ में एक स्वच्छता अभियान 'स्वच्छता ही सेवा' आयोजित किया गया। कार्यक्रम का विषय कचरा मुक्त भारत बनाना था। इसके अनुरूप, एनएमआरएल ने स्वच्छता, श्रमदान और एकल–उपयोग प्लास्टिक को रोकने के लिए जागरूकता पर केंद्रित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। श्री पीटी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल ने 19 सितंबर 2023 को एनएमआरएल कर्मचारियों के साथ 'स्वच्छता ही सेवा' की प्रतिज्ञा ली।

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम ने 1 अक्टूबर 2023 को स्वच्छता पखवाड़ा–2023 के एक भाग के रूप में 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम आयोजित किया। एनएसटीएल के उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक डॉ अब्राहम वर्गीस ने एनएसटीएल में स्वच्छता अभियान शुरू किया। लेफ्टिनेंट कर्नल राहुल दीक्षित, विभाग प्रमुख (वर्क्स एंड एस्टेट) ने कहा कि स्वच्छता एक राष्ट्रीय व्यवहार बन गई है, जिससे स्वच्छ भारत अभियान को जबरदस्त सफलता और घरेलू नाम मिला।

स्थापना दिवस समारोह

कैब्स, बेंगलुरु

वायु वाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स), बेंगलुरु ने 07 सितंबर 2023 को अपना स्थापना दिवस मनाया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित, एवीएसएम वीएम वीएसएम, वायु सेना के उप प्रमुख थे। श्री एमजेड सिद्दीकी, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एयरो) सम्मानित अतिथि थे। कैब्स के संस्थापक निदेशक डॉ के रामचंद, कैब्स के पूर्व निदेशक श्री एमएस ईश्वरन, सहयोगी डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के निदेशक और विभिन्न उद्योग घरानों से आमंत्रित लोग भी समारोह के दौरान उपस्थित थे।

स्वागत भाषण देते हुए, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, कैब्स डॉ के राजलक्ष्मी मेनन ने पिछले वर्षों में प्रयोगशाला की प्रगति प्रस्तुत की। उन्होंने वर्ष के दौरान पीडीसी के अनुसार, इलेक्ट्रिकल रिग फॉर एयरक्राफ्ट सिस्टम (ईआरएएस) परियोजना के सफल समापन की घोषणा की।

पिछले कुछ वर्षों में कैब्स द्वारा की गई प्रगति की सराहना करते हुए, श्री सिद्दीकी ने कैब्स के भविष्य के सभी कार्यों/कार्यक्रमों के सफल निष्पादन के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने पिछले दिनों कैब्स द्व ारा दी गई दो एईडब्ल्यु एण्ड सी नेत्र प्रणालियों के कामकाज पर संतुष्टि व्यक्त की। उन्होंने कहा कि चल रहा एईडब्ल्यु एण्ड सी मार्क–II कार्यक्रम भारतीय वायु सेना के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और उन्होंने सभी हितधारकों से इसके उद्देश्यों की सफल उपलब्धि की दिशा में काम करने का अनुरोध किया। मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा ईआरएएस परियोजना उत्पाद फोटो फ्रेम का अनावरण किया गया।

महानिदेशक, डीजीएक्यूए की ओर से, श्री आर पद्मनाभन, पीएससीओ, ओआईसी, डीजीएक्यूए ने निदेशक, कैब्स को 31 मई 2025 तक वैधता के साथ फर्म और इसकी गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (एएफक्यूएमएस) के अनुमोदन का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया।

एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने विभिन्न तकनीकी क्षेत्रों में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए चयनित कैब्स कर्मियों को निदेशक प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान किए। श्री सिद्दीकी ने उन अधिकारियों और कर्मचारियों को 'डीआरडीओ स्मृति चिन्ह' भेंट किए, जिन्होंने डीआरडीओ को समर्पित सेवा के 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं। कैब्स ने उपयोगकर्ता संतुष्टि के प्रति प्रणाली विश्वसनीयता के संदर्भ में गुणवत्ता संस्कृ ति को बढ़ावा देने और संगठन के भीतर गुणवत्ता प्रथाओं पर जागरूकता लाने के लिए 'सर्वोत्तम गुणवत्ता प्रथाओं का प्रभाग' नामक एक रोलिंग ट्रॉफी पुरस्कार की स्थापना की है।

डॉ वाई पुरूषोत्तम, वैज्ञानिक 'जी' एवं अध्यक्ष, आयोजन समिति ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और मुख्य अतिथि, सम्मानित अतिथि और सभी आमंत्रित लोगों को अपना बहुमूल्य समय देने और इस अवसर की शोभा बढ़ाने के लिए आभार व्यक्त किया।

डेसीडॉक, दिल्ली

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली ने 13 अक्टूबर 2023 को अपना 53वां स्थापना दिवस बड़े जोश और उत्साह के साथ मनाया। श्रीमती यू जया संथी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एचआर), इस अवसर की मुख्य अतिथि थीं। डीआरडीओ मुख्यालय और मेटकाफ हाउस एवं तिमारपुर कॉम्प्लेक्स स्थित सहयोगी डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के निदेशक, वरिष्ठ वैज्ञानिक, दिल्ली स्थित प्रतिष्ठानों से आमंत्रित लोग तथा डेसीडॉक के कर्मचारी इस उत्सव में शामिल हुए। श्रीमती संथी ने सुरक्षित और धूल–मुक्त वातावरण में पत्रिकाओं की बाउंड वॉल्यूम को संग्रहीत करने के लिए रक्षा विज्ञान

पुस्तकालय (डीएसएल) में स्थापित की जा रही दस्तावेज अभिलेखीय सुविधा का उद्घाटन किया। उन्होंने डेसीडॉक परिसर में एक पौधा भी लगाया। डेसीडॉक के निदेशक डॉ के नागेश्वर राव ने पिछले वर्ष में डेसीडॉक की विभिन्न गतिविधियों की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए स्वागत व्याख्यान दिया। उन्होंने सम्मानित सभा को डेसीडॉक की नवीनतम पहलों और योजनाओं के बारे में भी बताया और इस बात पर जोर दिया कि डेसीडॉक अपने अथक प्रयासों और नवीन दृष्टिकोण के साथ डीआरडीओ वैज्ञानिक समुदाय की सेवा करना जारी रखेगा।

उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एचआर) ने वर्षों से डेसीडॉक द्वारा की जा रही कड़ी मेहनत और प्रयासों की सराहना की और इस बात पर जोर दिया कि डेसीडॉक को डीआरडीओ की सूचना सेवा आवश्यकताओं को और बेहतर तरीके से पूरा करने के लिए और अधिक परिश्रम से काम करना चाहिए। उन्होंने वार्षिक हिंदी पत्रिका 'ज्ञानदीप', डेसीडॉक द्वारा प्रकाशित होने वाली विभिन्न पत्रिकाओं के नवीनतम अंक और श्री पीके महापात्रा द्वारा लिखित ''टेस्ट रेंजः इवोल्यूशन एंड रोल इन वेपन डेवलपमेंट'' पर डीआरडीओ मोनोग्राफ का विमोचन किया। उन्होंने डेसीडॉक इन्वेंटरी मैनेजमेंट सिस्टम, मोनोग्राफ सेल्स मैनेजमेंट सिस्टम और डिजिटल लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर के लिए ऑनलाइन पोर्टल का भी उद्घाटन किया।

इस अवसर पर डीआरडीओ में 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह भेंट किये गये। डॉ मो. यूसुफ अंसारी, वैज्ञानिक 'एफ' एवं अध्यक्ष, स्थापना दिवस समिति ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

डिपास, दिल्ली

रक्षा शरीर क्रिया एवं सम्बद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास), दिल्ली ने 20 सितंबर 2023 को अपना 62वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर डॉ समीर वी कामत, सचिव डीडी आरएंडडी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ मुख्य अतिथि थे और डॉ यूके सिंह, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एलएस) तथा श्री वेल्लई पांडी, महानिदेशक एसटीक्यूसी सम्मानित अतिथि थे। इस कार्यक्रम में सहयोगी प्रयोगशालाओं के निदेशकों, कॉर्पोरेट निदेशकों, पूर्व कर्मचारियों, वैज्ञानिकों और डिपास के कर्मचारियों ने भाग लिया। डिपास के निदेशक डॉ राजीव वार्ष्णेय ने पिछले वर्ष के दौरान की गई उल्लेखनीय उपलब्धियों और प्रगति का सिंहावलोकन दिया। डॉ कामत ने चरम स्थितियों में सैनिकों की परिचालन दक्षता और प्रदर्शन

को बढ़ावा देने में डिपास के प्रयासों और उपलब्धियों की सराहना की। श्री वेल्लई पंडी ने डिपास अनुसंधान के महत्वपूर्ण प्रभाव की सराहना की और संस्थान को आईएसओ 9001:2015 प्रमाणपत्र सौंपा। इस अवसर पर स्प्रिंगर नेचर द्वारा प्रकाशित और डॉ वार्ष्णेय, डॉ इति गर्ग और डॉ स्वाति श्रीवास्तव द्वारा संपादित 'भविष्य की महामारी के लिए तैयारीः खतरा और चुनौतियां' नामक पुस्तक का भी सचिव डीडी आर एंड डी और अध्यक्ष डीआरडीओ द्वारा पुर्व–विमोचन किया गया।

ईसा, दिल्ली

पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा), दिल्ली ने 22 सितंबर 2023 को अपना 64वां स्थापना दिवस मनाया। डॉ एसवी कामत, सचिव, डीडी आरएंडडी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे और मेजर जनरल जीएस कुलार, एसएम, वीएसएम सम्मानित अतिथि थे। इसमें उपयोगकर्ता एजेंसियों से आमंत्रित गणमान्य व्यक्तियों, मुख्यालय और सहयोगी प्रयोगशालाओं के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

एनएस एण्ड एम क्लस्टर स्थापना दिवस समारोह

एनएस एण्ड एम क्लस्टर स्थापना दिवस 09 अक्टूबर 2023 को महानिदेशक (एनएस एण्ड एम), विशाखापत्तनम के कार्यालय में मनाया गया। इस कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से डीडी आर एण्ड डी के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ समीर वी कामत तथा एनएस एण्ड एम क्लस्टर प्रयोगशालाओं के निदेशक (एनएसटीएल, एनपीओएल, एनएमआरएल, डीएमआरएल, डीएलजे, डीएमएसआरडीई, डीवाईएसएल–एसएम), कार्यक्रम निदेशक (एआईपी, आईसीएस, एएसएसपी), एनएसटीएल, सीसीई (आर एण्ड डी) एस्टेट (दक्षिण), एओ (आरएण्डडी), एजीई (आई) (आरएण्डडी) के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। उद्घाटन व्याख्यान के दौरान, श्री एस के पाणिग्रही, निदेशक, पीएम और प्रशासन ने एनएस एण्ड एम क्लस्टर की उपलब्धियों, इसकी स्थापना के बाद से महत्वपूर्ण अवसरों का उल्लेख किया।

सभी एनएस एण्ड एम क्लस्टर प्रयोगशाला निदेशकों ने अपने स्थापना दिवस पर महानिदेशक (एनएस एण्ड एम) कार्यालय को शुभकामनाएं दी और प्रयोगशाला के 10 साल के रोड मैप और लक्ष्यों के साथ विकसित प्रौद्योगिकी क्षेत्रों, प्रमुख प्रौद्योगिकियों को प्रस्तुत किया।

डॉ वाई श्रीनिवास राव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएस एण्ड एम) ने अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कहा कि प्रयोगशालाओं ने सेवाओं के लिए उपयोगी कई प्रणालियों के विकास में योगदान दिया है। उन्होंने भविष्य के रोडमैप और अगले वर्ष की गतिविधि योजना के लिए निदेशकों की सराहना की और उनके प्रयासों में सफलता की कामना की। उन्होंने यह भी कहा कि तकनीकी विफलता या विचलन को दर्ज किया जाना चाहिए, समीक्षा की जानी चाहिए और सीखे गए सबक को प्रयोगशालाओं के बीच साझा किया जाना चाहिए। इससे भविष्य में संभावित विफलताओं का अनुमान लगाने और उन्हें कम करने में मदद मिलेगी और अभिकल्पिन की मजबूती में योगदान मिलेगा। उन्होंने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होने और महानिदेशक (एनएस एण्ड एम) क्लस्टर की सभी टीम के सदस्यों को प्रेरित करने और दिशा–निर्देश देने के लिए डॉ कामत को धन्यवाद दिया। अंत में, डॉ कामत ने एनएस एण्ड एम क्लस्टर की स्थापना के बाद से किए गए प्रयासों की सराहना की और क्लस्टर को उसके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं।

श्री डी रवि राजा ए, निदेशक (एसक्यूआर) एवं अध्यक्ष, आयोजन समिति के साथ–साथ श्री श्रवण कुमार मावुरु, सचिव, आयोजन समिति ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन दिया।

स्वागतम-अभिविन्यास कार्यक्रम

नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि ने 21–22 सितंबर 2023 के दौरान नए भर्ती हुए तकनीशियनों और वाहन चालकों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम, 'स्वागतम' के दूसरे संस्करण का आयोजन किया। स्वागतम–1 अप्रैल 2023 के दौरान नए शामिल हुए एसटीए 'बी' के लिए था। श्री मोहनन के, वैज्ञानिक 'जी' एवं निदेशक (प्रबंधन), एनपीओएल ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

एनपीओएल अधिकारियों और बाहरी संकायों दोनों द्वारा कई सत्र आयोजित किए गए।

गांधी जयंती समारोह

विश्व को अहिंसा, सत्य और करुणा का विचार सिखाने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी 154वीं जयंती पर याद करते हुए, डॉ समीर वी कामत, सचिव डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ, महानिदेशकों, निदेशकों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने डीआरडीओ भवन, नई दिल्ली में महात्मा गांधी को पुष्प अर्पित किये। इस अवसर पर, डॉ कामत द्वारा डीआरडीओ मुख्यालय और उसके अधीनस्थ कार्यालयों में लंबित मामलों के निपटान (एससीडीपीएम) और स्वच्छता अभियान के लिए एक विशेष अभियान 3.0 भी शुरू किया गया। अभियान का उद्देश्य लंबित मामलों को कम करना, स्वच्छता को संस्थागत बनाना, आंतरिक निगरानी तंत्र को मजबूत करना, रिकॉर्ड प्रबंधन में अधिकारियों को प्रशिक्षित करना और बेहतर रिकॉर्ड प्रबंधन के लिए भौतिक रिकॉर्ड को डिजिटल बनाना था।

डीआरडीओ मुख्यालय में समारोहों के अलावा डीआरडीओ की निम्नलिखित प्रयोगशालाओं ने भी अपने–अपने स्थानों पर गांधी जयंती मनाई।

डीएमएसआरडीई, कानपुर

रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर ने महात्मा गांधी की जयंती मनाने और एससीडीपीएम 3.0 का पालन करने के लिए 02 अक्टूबर 2023 को स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा गांधी को पुष्प अर्पित कर की गई. इस अभियान का नेतृत्व डीएमएसआरडीई के उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक डॉ मयंक द्विवेदी ने किया। अभियान के हिस्से के रूप में, प्रतिष्ठान के सभी कर्मचारियों द्वारा डीएमएसआरडीई परिसर और आसपास की सफाई पूरे उत्साह के साथ की गई। इस अवसर पर स्थापना की महिला कर्मचारियों एवं प्रयोगशाला की सफाई में लगे संविदा कर्मियों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया।

एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

एनएसटीएल सिविलियन कर्मचारी संघ और वर्क्स कमेटी के तत्वावधान में 02 अक्टूबर 2023 को नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम में महात्मा गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्त्री जयंती का आयोजन किया गया।

श्री सी. जयाराव, तकनीकी अधिकारी 'सी' और अध्यक्ष, खेल एवं सांस्कृतिक समिति ने सभा का स्वागत किया और इस अवसर के लिए योजनाबद्ध गतिविधियों

के बारे में जानकारी दी। एनएसटीएल के उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक डॉ अब्राहम वर्गीस ने महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री को 'राष्ट्र के असली नायक' बताया, जिनके साहस और सादगी पर आधारित आदर्शों का सभी को अनुकरण करने की जरूरत है। उन्होंने उपस्थित बच्चों से महात्मा गांधी की आत्मकथा 'सत्य के साथ मेरे प्रयोगों की कहानी' पढ़ने का आह्वान किया। डॉ एचएन दास, वैज्ञानिक 'जी' और अध्यक्ष, कार्य समिति; श्रीमती डीआर राजेश्वरी देवी; एनएसटीएल की प्रथम महिला श्रीमती इलिन दीना अब्राहम;

श्री के किशोर कुमार, वैज्ञानिक 'एफ'; श्री हिरण्मय सरकार वैज्ञानिक 'डी'; कर्नल बीपी आचार्य, मुख्य सुरक्षा अधिकारी; श्री सुब्रो बनर्जी, सीएओ; और अन्य लोगों ने भाग लिया।

कलाम जयंती समारोह

डीआरडीओ ने दूरदर्शी वैज्ञानिक और नेता स्वर्गीय डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम का जन्मदिन मनाया। डॉ कलाम की दूरदृष्टि ने भारत के वैज्ञानिक समुदाय पर एक अमिट छाप छोड़ी है। कलाम जयंती डीआरडीओ मुख्यालय और विभिन्न प्रयोगशालाओं में अपने–अपने स्थानों पर मनाई गई।

डीएमएसआरडीई, कानपुर

रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई), कानपुर ने भारत रत्न डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की 92वीं जयंती मनाने के लिए 16 अक्टूबर 2023 को कलाम मेमोरियल सामग्री विज्ञान व्याख्यान श्रृंखला–2023 के 9वें व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ कलाम को पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। डीएमएसआरडीई के उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक डॉ मयंक द्विवेदी ने अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में डॉ कलाम के साथ उनके शुरुआती डीआरडीओ करियर में काम करने के दौरान साझा की गई यादों और अनुभवों के बारे में जानकारी दी। डॉ जगन्नाथ नायक, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, चेस, हैदराबाद, इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।

उन्होंने 'उच्च ऊर्जा हथियारों के लिए सामग्रीः प्रौद्योगिकी, अनुप्रयोग और चुनौतियां' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने उच्च–ऊर्जा हथियारों के क्षेत्र में लेजर के उपयोग का व्यापक विवरण दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भविष्य के युद्ध पारंपरिक हथियार प्रणालियों की जगह उच्च–ऊर्जा प्रणालियों पर आधारित होंगे। डीएमएसआरडीई के सह निदेशक डॉ एसएम अब्बास ने डॉ कलाम के भारत के मिसाइल मैन बनने तक के सफर के बारे में बात की। श्री अमित सरैया, वैज्ञानिक 'एफ' ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

ईएमयू, हैदराबाद

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की 92वीं जयंती के उपलक्ष्य में, आरसीआई आवासीय क्षेत्र के अंदर विज्ञान भूमि में एस्टेट मैनेजमेंट यूनिट (आर एंड डी), हैदराबाद द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। अतिरिक्त सीसीई और संपदा प्रबंधक डॉ शेख गौस मोहिद्दीन और ईएमयू के अधिकारियों ने कलाम की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी।

डॉ मोहिद्दीन ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके अथक प्रयासों के लिए डॉ कलाम की सराहना की। उन्होंने याद दिलाया कि राष्ट्र निर्माण के प्रति कलाम के समर्पण और प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप, यूएनओ ने इस दिन को 'विश्व छात्र दिवस' के रूप में घोषित किया।

एमटीआरडीसी में इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता पर पाठ्यक्रम

सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसन्धान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी), बेंगलुरु ने 11–13 अक्टूबर 2023 के दौरान 'इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली की गुणवत्ता और विश्वसनीयता' पर तीन दिवसीय पाठ्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न संबंधित विषयों पर 13 सत्र शामिल थे। श्री संतोष कुमार झा, वैज्ञानिक 'एफ', और डॉ विशाल केसरी, वैज्ञानिक 'एफ', क्रमशः पाठ्यक्रम निदेशक और पाठ्यक्रम समन्वयक थे। श्री जीपी साहू, अलीस्डा, डॉ स्वर्णा बाई, डीएसपी–आरसीआई, श्रीमती विराजा वी, डीएलआरएल, डॉ एमके पटेल, एलआरडीई, श्री शिव शास्ता राय, एलआरडीई, श्री जगदीश कुमार आर, पूर्व–बीईएल/क्वेस्ट, श्री गिरीश

एसआर, पूर्व–बीईएल/एएसक्यू, लेफ्टिनेंट कर्नल नवनीत सूद, बीईएल, और श्री के गणेश, डब्ल्यूएबीटीईसी, प्रतिष्ठित संकाय थे जिन्होंने कार्यक्रम को अत्यधिक इंटरैक्टिव और जानकारीपूर्ण बनाया। कार्यक्रम का उद्घाटन एमटीआरडीसी के उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं केंद्र प्रमुख डॉ एसके दत्ता ने इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों में गुणवत्ता और विश्वसनीयता के लाभों और प्रथाओं पर अपनी प्रारंभिक टिप्पणी के साथ किया। डॉ एचएस सुधामणि, एचआरडी, एमटीआरडीसी ने पाठ्यक्रम के मानव संसाधन दृष्टिकोण को सामने रखा।

सैन्य राशन के लिए मोटा अनाज पर सम्मेलन

'सैन्य राशन और विशिष्ट पोषण संबंधी आवश्यकताओं के लिए मोटा अनाज' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन माननीय रक्षा और पर्यटन राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट ने 29 सितंबर 2023 को डॉ समीर वी कामत, सचिव डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ, डॉ उपेन्द्र कुमार सिंह, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एलएस), पद्मश्री प्रोफेसर खादर वल्ली डुडेकुला, मेजर जनरल एसएस अहलावत, एडीजी एसटी (एसएम), भारतीय सेना और डॉ ए डी सेमवाल, निदेशक, डीएफआरएल की उपस्थिति में मैसूर में किया। सम्मेलन का आयोजन रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल), मैसूर द्वारा किया गया। अपने संबोधन में, रक्षा और पर्यटन राज्य मंत्री ने स्वास्थ्य के लिए मोटे अनाज के महत्व पर जोर दिया और कहा कि डीएफआरएल न केवल जनता के

बीच जागरूकता फैला रहा है, बल्कि यह सशस्त्र बलों के कर्मियों की पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए राशन में मोटे अनाज को शामिल करना सुनिश्चित करने की दिशा में भी काम कर रहा है।

डॉ कामत ने इस तथ्य की सराहना की कि सेनाएं अपने राशन में मोटे अनाज को अपनाने पर विचार कर रही हैं और उम्मीद जताई कि सम्मेलन सशस्त्र बलों के राशन में मोटा अनाज और उसके उत्पादों के पोषण संबंधी पहलुओं और कार्यान्वयन पर विचार–विमर्श करेगा।

कैब्स में पाठ्यक्रम

मल्टीचैनल प्रणाली के लिए उन्नत सिग्नल प्रसंस्करण तकनीक

वायु वाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स), बेंगलुरु ने 02–04 अगस्त 2023 तक 'मल्टीचैनल प्रणाली के लिए उन्नत सिग्नल प्रसंस्करण तकनीक' पर एक पाठ्यक्रम का आयोजन किया। डीएलआरएल, आरसीआई, पीजीएडी, एडीई, एडीए, डीवाईएसएल–एआई, और कैब्स जैसी विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं से इक्कीस वैज्ञानिकों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।

पाठ्यक्रम में शिक्षा जगत (आईआईएससी बैंगलोर, आईआईटी मद्रास), उद्योग (टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स, जिलिंक्स) और अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के प्रख्यात वक्ताओं के व्याख्यान शामिल थे। उन्नत मल्टीचैनल सिग्नल प्रसंस्करण के लिए गणितीय नींव, अनुकूल डिजिटल बीमफॉर्मिंग, स्पेस–टाइम अनुकूल प्रसंस्करण, रैंडम एक्सेस, मल्टीपल एक्सेस, एमआईएमओ तकनीक, विरल सिग्नल प्रसंस्करण, ओटीएफएसः एकीकृत सेंसिंग और संचार के लिए तरंगों आदि जैसे विभिन्न विषयों को इस पाठ्यक्रम में शामिल किया गया।

समापन दिवस पर एमसीक्यू परीक्षा आयोजित की गई और समापन समारोह के दौरान सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

डॉ आर राजेश, वैज्ञानिक 'एफ' एवं पाठ्यक्रम निदेशक ने पाठ्यक्रम प्रतिक्रिया प्रस्तुत की, और डॉ आर रामकुमार, वैज्ञानिक 'ई', तथा उप पाठ्यक्रम निदेशक ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

एयरबोर्न निगरानी प्रणाली

डीआरडीओ के विभिन्न कार्य केंद्रों के कर्मियों के साथ अर्जित तकनीकी ज्ञान को साझा करने के लिए वायु वाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स), बेंगलुरु में 07–11 अगस्त 2023 के दौरान 'एयरबोर्न निगरानी प्रणाली' पर एक पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। डीआरडीओ अध्यक्ष और एलआरडीई के पूर्व निदेशक श्री एसएस नागराज ने मुख्य अतिथि के रूप में पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया। डॉ के राजलक्ष्मी मेनन, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, कैब्स, सम्मानित अतिथि थीं। पाठ्यक्रम में आंतरिक और सहयोगी दोनों प्रयोगशालाओं के कुल 37 अधिकारियों ने भाग लिया। व्याख्यान कैब्स, अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के वरिष्ठ वैज्ञानिकों और इसरो के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा आयोजित किए गए। अधिकांश प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिक्रिया साझा की कि पाठ्यक्रम की सामग्री बहुत जानकारीपूर्ण थी और उनके तत्काल और भविष्य के अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त थी।

समापन दिवस पर एमसीक्यू परीक्षा आयोजित की गई और समापन समारोह के दौरान सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सुश्री एमआर भुवनेश्वरी, वैज्ञानिक 'जी' एवं पाठ्यक्रम निदेशक; और श्री ए मुथुकुमार, वैज्ञानिक 'ई' और उप पाठ्यक्रम निदेशक, ने पाठ्यक्रम प्रतिक्रिया और धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

डीआईपीआर में पाठ्यक्रम

साक्षात्कार अधिकारी पाठ्यक्रम

साक्षात्कार अधिकारी पाठ्यक्रम रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसन्धान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली द्वारा 04–29 सितंबर 2023 के दौरान चार सप्ताह का साक्षात्कार अधिकारी (आईओ) पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था। पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों में मेजर जनरल, ब्रिगेडियर, कर्नल, और त्रि–सेवाओं एवं तटरक्षक बल के समकक्ष रैंक के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। अधिकारी संवर्ग के उम्मीदवारों के मूल्यांकन के लिए प्रशिक्षु अधिकारियों को साक्षात्कार तकनीक पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

डीआईपीआर की निदेशक डॉ अरुणिमा गुप्ता ने प्रतिभागियों के साथ बातचीत की और पिछले साढ़े सात दशकों में भारत में सैन्य मनोविज्ञान के विकास और विकास पर प्रकाश डाला।

आपमें मनोवैज्ञानिक क्षमता को अनलॉक करना

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसन्धान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली द्वारा 11–13 अक्टूबर 2023 के दौरान 'आपमें मनोवैज्ञानिक क्षमता को अनलॉक करने' पर एक सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) आयोजित किया गया था।

डीआईपीआर की निदेशक डॉ अरुणिमा गुप्ता ने डॉ सौमी अवस्थी, वैज्ञानिक 'जी', अतिरिक्त निदेशक तथा पाठ्यक्रम निदेशक, डॉ गुरप्रीत कौर, वैज्ञानिक 'एफ', पाठ्यक्रम समन्वयक और अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों की उपस्थिति में सीईपी का उद्घाटन किया।

'मनोवैज्ञानिक क्षमता को अनलॉक करना' पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों के साथ डॉ अरुणिमा गुप्ता, निदेशक डीआईपीआर

डीजीएनएआई एकीकृत क्यूए आर्किटेक्चर पर आमंत्रित वार्ता

डॉ प्रशांत वशिष्ठ, वैज्ञानिक 'जी', रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर ने 20 सितंबर 2023 को भारतीय नौसेना द्वारा 'डीजीएनएआई एकीकृत क्यूए आर्किटेक्चर' पर आयोजित सेमिनार में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया और 'नौसेना चैफ पेलोड की गुणवत्ता आश्वासन' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

सेमिनार का उद्घाटन रक्षा सचिव श्री गिरिधर अरमाने ने वाइस एडमिरल संजय जे सिंह, एवीएसएम, एनएम, नौसेना स्टाफ के उपाध्यक्ष और रियर एडमिरल ब्रिजेश वशिष्ठ, डीजीएनएआई की उपस्थिति में किया। प्रयोगशाला ने 18–22 सितंबर 2023 के दौरान वायु सेना अधिकारियों के लिए वार्षिक सीबीआरएन कैप्सूल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और 26–29 सितंबर 2023 के दौरान आईएन और तटरक्षक अधिकारियों के लिए एनबीसीडी विशेषज्ञता प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी आयोजित किया।

सीबीआरएन चिकित्सा प्रबंधन पर प्रशिक्षण

विशेष आपदा अनुसंधान केंद्र/ जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (एससीडीआर/जेएनयू) के आपदा प्रबंधन कार्यक्रम के छात्रों के लिए 11–13 सितंबर 2023 के दौरान नाभिकीय औषधि एवं सम्बद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली में सीबीआरएन मेडिकल प्रबंधन कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि एवं एससीडीआर–जेएनयू के अध्यक्ष प्रोफेसर पीके जोशी ने किया। कार्यशाला में इनमास के वैज्ञानिकों और कर्मचारियों, सीएपीएफ के विषय विशेषज्ञों, संकायों और जेएनयू के छात्रों ने भाग लिया। डॉ रत्नेश सिंह कंवर, वैज्ञानिक 'एफ', पाठ्यक्रम निदेशक और मंडल प्रमुख, सीआरएमएम ने स्वागत व्याख्यान दिया।

अपने समापन व्याख्यान के दौरान, डॉ सुधीर चांदना, वैज्ञानिक 'जी', एवं अतिरिक्त निदेशक इनमास ने सभी प्रतिभागियों को उनके प्रशिक्षण पूरा होने के लिए बधाई दी और आग्रह किया कि इनमास और जेएनयू सीबीआरएन प्रशिक्षण और सीबीआरएन आर एंड डी से संबंधित अन्य गतिविधियों को जारी रखने के लिए एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर करें।

तकनीकी-प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर पाठ्यक्रम

रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने 13–15 सितंबर, 2023 के दौरान 'डीआरडीओ में तकनीकी–प्रशासनिक प्रक्रियाओं' पर एक पाठ्यक्रम का आयोजन किया। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता डॉ आर बालामुरलीकृष्णन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमआरएल ने की। डॉ सरबजीत सिंह, वैज्ञानिक 'एफ' एवं पाठ्यक्रम निदेशक, ने प्रतिनिधियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। डॉ डीके दास, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं सह निदेशक ने प्रयोगशाला की मानव संसाधन विकास गतिविधियों का सारांश प्रस्तुत किया। हैदराबाद स्थित प्रयोगशालाओं से कुल 45 प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।

डॉ संपूर्ण सिंह स्मृति व्याख्यान

चरम प्राक्षेपिकी अनुसन्धान प्रयोगशाला (टीबीआरएल), चंडीगढ़ ने अपने संस्थापक निदेशक के योगदान को मनाने के लिए 26 सितंबर 2023 को टीबीआरएल रेंज रामगढ़ में 'डॉ संपूर्ण सिंह मेमोरियल वार्षिक व्याख्यान श्रृंखला' का आयोजन किया। टीबीआरएल की स्थापना 1961 में हथियारों के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के दूरदर्शी नेता डॉ संपूर्ण सिंह के नेतृत्व में की गई थी। प्रो वी रामगोपाल राव इस अवसर पर उद्घाटन वक्ता थे। उन्होंने रक्षा प्रणालियों के विकास में उनके अथक

प्रयासों और योगदान के लिए टीबीआरएल समुदाय की सराहना की।

उन्होंने कहा कि डीआरडीओ विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से बहुत अधिक जुड़ा हुआ है। उन्होंने आगे बताया कि भारत के एचईआई में पेटेंट बढ़ने की जरूरत है; विश्व में भारत की पेपर प्रकाशन रैंकिंग तीसरे स्थान पर है, लेकिन हमारे पेटेंट बहुत कम हैं। इस अवसर पर, टीबीआरएल के निदेशक प्रोफेसर प्रतीक किशोर ने मई 1961 में अपनी स्थापना के बाद से टीबीआरएल की यात्रा का एक संक्षिप्त विवरण दिया। श्री यू राजाबाबू, महानिदेशक (एमएसएस) ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस कार्यक्रम में भाग लिया।

डीजीआरई में प्रयोगकर्ता संपर्क बैठक

रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई), चंडीगढ़ ने 27 सितंबर 2023 को प्रयोगकर्ता संपर्क बैठक (यूआईएम–23) का आयोजन किया। यूआईएम–23 का आयोजन विभिन्न परिचालन कर्तव्यों के प्रदर्शन के दौरान उनके सामने आने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों पर डीजीआरई के साथ उपयोगकर्ताओं की बातचीत को प्रोत्साहित करने के लिए किया गया।

बैठक में खतरनाक पहाड़ी क्षेत्रों में तैनात विभिन्न उपयोगकर्ताओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों में सैन्य संचालन महानिदेशालय (डीजीएमओ), सीमा सड़क महानिदेशालय (डीजीबीआर), भारतीय सेना के मुख्यालय जैसे 15 कोर, 16 कोर, 3 कोर, 4 कोर, 14 कोर, 9 (आई), माउंटेन ब्रिगेड, और 33 कोर, प्रोजेक्ट 'दीपक', सीमा सड़क संगठन (बीआरओ), भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), और उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूके एसडीएमए) के प्रतिनिधि शामिल थे। यूआईएम–23 का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ शैलेन्द्र वसंत गाडे, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एसीई) ने किया। श्री अमित कुमार शर्मा, निदेशक, डायरेक्टरेट ऑफ इंटरेक्शन विद बिजनेस फॉर सर्विसेज (डीआईएसबी), डीआरडीओ मुख्यालय ने भी यूआईएम–23 में सम्मानित अतिथि के रूप में शिरकत की। डॉ पीके सत्यवली, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीजीआरई ने यूआईएम–23 कार्यवाही की अध्यक्षता की।

नियुक्तियां

निदेशक, सीवीआरडीई

श्री जे राजेश कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक ने 01 अक्टूबर 2023 से संग्राम वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई), चेन्नई के निदेशक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। वह एमबीटी समूह के लिए सीवीआरडीई के सह निदेशक और प्रतिष्ठित लाइट टैंक परियोजना के परियोजना निदेशक थे। श्री राजेश कुमार ने भारतीय सेना के लिए 118 अर्जुन एमबीटी मार्क–IA टैंकों के ऑर्डर प्लेसमेंट को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई (एक बड़ी मेक इन इंडिया पहल) और लाइट टैंक के पहले प्रोटोटाइप को आकार देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

निदेशक, इनमास

डॉ सुधीर चांदना, वैज्ञानिक 'जी' ने दिनांक 1 अक्टूबर 2023 से निदेशक, नाभिकीय औषधि एवं सम्बद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली का कार्यभार संभाला। उन्होंने रेडियोप्रोटेक्शन के लिए नए दवा लक्ष्य, विकिरण जोखिम और खुराक मूल्यांकन के लिए आणविक बायोमार्कर और विकिरण स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन की खोज पर बड़े पैमाने पर काम किया है। डॉ चांदना ने जैविक रेडियोप्रोटेक्शन अनुसंधान में कई एसएंडटी के साथ–साथ टीडी परियोजनाओं का नेतृत्व किया है। कीट प्रणालियों में स्वाभाविक रूप से मौजूद 'हाइपर–रेडियोरेसिस्टेंस' के सिग्नलिंग तंत्र पर उनके पथप्रदर्शक शोध ने वैश्विक मान्यता अर्जित की है। डॉ चांदना ने अंतर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक अनुसंधान के हिस्से के रूप में इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल रेडिएशन बायोलॉजी (एसेन, जर्मनी, सितंबर 1994–फरवरी 1995) और सेंटर फॉर रेडिएशन प्रोटेक्शन रिसर्च (स्टॉकहोम यूनिवर्सिटी, स्टॉकहोम, स्वीडन) में अतिथि वैज्ञानिक के रूप में भी काम किया है। 2009 में, डॉ चांदना को नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर एंड्रयू शेली, यूएसए की प्रयोगशाला के साथ सहयोग करने के लिए आमंत्रित किया गया और सेल साइकिल में संयुक्त अध्ययन प्रकाशित किया गया। उन्होंने कोविड–19 महामारी के दौरान इनमास द्वारा अत्याधुनिक बीएसएल–3 सुविधा का निर्माण, प्रभावी कोविड निदान सेवाएं प्रदान करने के साथ–साथ ब्कोविड–19 चिकित्सीय दवा विकास गतिविधि जैसी जिम्मेदारियों को संभालने के लिए इनमास द्वारा कोविड आपातकालीन सेवाओं का नेतृत्व किया।

उच्च योग्यता अर्जन

श्री सुरेंद्र मोहन श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'एफ', उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल), हैदराबाद ने 'प्रतिकूल वातावरण के तहत ई–ग्लास एपॉक्सी कंपोजिट्स के गुणों का क्षरण' शीर्षक वाली अपनी थीसिस के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) वारंगल, तेलंगाना से पीएचडी पूरी की।

डॉ. संजय कुमार देवाली, वैज्ञानिक 'एफ', रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई), चंडीगढ़ को उनकी थीसिस 'उच्च रिजॉल्यूशन रिमोट सेंसिंग छवियों और डेटा और प्रक्रिया–संचालित मॉडलिंग का उपयोग करते हुए हिम हिमस्खलन खतरा मानचित्रण' के लिए 13 सितंबर 2023 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की (आईआईटी–आर) द्वारा पीएचडी से सम्मानित किया गया।

पुरस्कार

श्री गिदोन शाजी, एसटीए 'बी', नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि ने एमएलआईएस के लिए पहली रैंक हासिल की है और मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें इसके लिए स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने मद्रास विश्वविद्यालय के 165वें वार्षिक दीक्षांत समारोह के दौरान यह पुरस्कार प्रदान किया।

डीआरडीओ उत्तरी क्षेत्र बैडमिंटन प्रतियोगिता

डॉ गुरप्रीत कौर, वैज्ञानिक 'एफ', रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसन्धान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली ने डीआरडीओ राष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता जीती और उन्हें विभिन्न श्रेणियों में चार स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन सितंबर 2023 को अग्नि, पर्यावरण तथा विस्फोटक सुरक्षा केंद्र (सीफीस), दिल्ली द्वारा किया गया। उन्होंने बारहवीं बार डीआरडीओ महिला एकल प्रतियोगिता जीती। इससे पहले, उन्होंने सुश्री कोमल तिवारी, टीओ ए, डीआईपीआर के साथ एकल और युगल वर्ग में उत्तरी क्षेत्र बैडमिंटन प्रतियोगिता भी जीती। निदेशक डॉ अरुणिमा गुप्ता और डीआईपीआर परिवार ने विजेताओं को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

रक्षा प्रयोगशाला जोधपुर (डीएलजे) ने भी प्रतियोगिता में भाग लिया और एक बार फिर ट्रॉफी का दावा करते हुए चौंपियनशिप प्रतियोगिता जीती। श्री विश्वजीत, टीए 'बी' ने ओपन एकल स्पर्धा भी जीती और उन्हे प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया। डीएलजे के तीन खिलाड़ियों, श्री विश्वजीत, श्री एनएस यादव, टीओ 'ए', और श्री चंद्र पाल, टीओ 'ए' का चयन किया गया और ये खिलाडी डीआरडीओ राष्ट्रीय प्रतियोगिता के दौरान उत्तरी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे।

एचईएमआरएल में दंत चिकित्सा शिविर

टीथज़ डेंटल, कॉस्मेटिक और इंप्लांट सेंटर, पुणे, जो एक सीजीएचएस/सीएसएमए/ईसीएचएस–सूचीबद्ध दंत चिकित्सालय है, के सहयोग से एमआई रूम कॉम्प्लेक्स, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल), पुणे में 3–4 अक्टूबर 2023 के दौरान एक मुफ्त दंत निरीक्षण शिविर आयोजित किया गया।

पंजीकृत दंत चिकित्सकों और संबद्ध दंत चिकित्सा सहायकों की एक टीम ने लाभार्थियों को दंत स्वास्थ्य के बारे में शिक्षित किया और विभिन्न दंत विकृतियों का शीघ्र पता लगाने और समय पर उपचार के लिए नैदानिक दंत निरीक्षण किया। शिविर से एचईएमआरएल (स्थायी और संविदा) के कुल 186 कर्मचारी लाभान्वित हुए।

डीआरडीओ वैज्ञानिकों का एसएसबी और बीएसएफ के क्षेत्रीय संरचनाओं-श्रीनगर और मुख्यालय कोबरा-दिल्ली का दौरा

कम तीव्रता वाले संघर्ष निदेशालय (डीएलआईसी), डीआरडीओ मुख्यालय ने क्रमशः 26 सितंबर 2023 को 10 बटालियन सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), श्रीनगर, 27 सितंबर 2023 को सेक्टर मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), श्रीनगर में फील्ड स्थानों पर और 05 अक्टूबर 2023 को कोबरा सेक्टर मुख्यालय, नई दिल्ली, में डीआरडीओ वैज्ञानिकों के दौरे का आयोजन किया। आईआरडीई, टीबीआरएल, आर एंड डीई (ई), डीएमएसआरडीई, डीआरडीई, वीआरडीई, एलआरडीई और एआरडीई के वैज्ञानिकों ने निदेशकों एवं डीएलआईसी के अन्य अधिकारियों के साथ स्थानों का दौरा किया और श्रीनगर घाटी में तैनात सुरक्षा बलों द्वारा किए जा रहे कार्यों के लिए उपयोगिता वाले डीआरडीओ उपकरण प्रस्तुत किए। जबकि आईआरडीई, डीएमएसआरडीई और डिपास के वैज्ञानिकों ने देश भर में फैली कोबरा इकाइयों से संबंधित उत्पादों पर प्रस्तुतियों के लिए दिल्ली में कोबरा मुख्यालय का दौरा किया। एआरडीई, एलआरडीई और आर एंड डीई (इंजीनियरिंग) के वैज्ञानिक वीसी के माध्यम से शामिल हुए।

सभी वैज्ञानिकों ने विभिन्न श्रेणियों में डीआरडीओ उत्पादों पर अपनी–अपनी प्रस्तुति दी। एसएसबी ने डीआरडीओ द्वारा विकसित बुलेट–प्रूफ हेलमेट, ड्रोन–आधारित निगरानी उपकरण, आईईडी डिटेक्शन सिस्टम, कॉर्नर–शॉट हथियार प्रणाली और सेल्फ–डिस्ट्रक्शन मैकेनिज्म वाले ग्रेनेड में रुचि दिखाई। डीआरडीओ वैज्ञानिकों के बीएसएफ श्रीनगर दौरे की आईजी बीएसएफ और चर्चा में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों ने सराहना की।

एसएसबी, श्रीनगर के अधिकारियों एवं अन्य रैंको के साथ डीआरडीओ के वैज्ञानिक

आईजी बीएसएफ और यूनिट प्रमुखों के साथ निदेशक, डीएलआईसी एवं वैज्ञानिक

आईजी कोबरा, सीआरपीएफ तथा मुख्यालय टीम के साथ डीआरडीओ वैज्ञानिक

डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के आगंतुक

डीआईपीआर, दिल्ली

❄ एयर मार्शल नागेश कपूर, एवीएसएम, वीएम, एयर ऑफिसर–इन–चार्ज कार्मिक (एओपी) ने 13 अक्टूबर 2023 को एक परिचित दौरे पर रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसन्धान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली का दौरा किया। डीआईपीआर की निदेशक डॉ अरुणिमा गुप्ता ने एओपी का स्वागत किया और प्रयोगशाला में चल रही और भविष्य की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। प्रस्तुतियों के दौरान, एओपी ने वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की और डीआईपीआर समुदाय के निरंतर अनुसंधान एवं विकास योगदान की सराहना की।

❄ श्री संजय बैनीवाल, आईपीएस, महानिदेशक (कारागार), एनसीटी दिल्ली सरकार, नई दिल्ली ने 09 अक्टूबर 2023 को डीआईपीआर का दौरा किया।

डॉ अरुणिमा गुप्ता, निदेशक, डीआईपीआर एयर मार्शल नागेश कपूर, एओपी को स्मृति चिन्ह सौंपते हुए

डीएल, जोधपुर

श्री केएन व्यास, डीएई होमी भाभा चेयर प्रोफेसर एवं पूर्व अध्यक्ष, परमाणु ऊर्जा आयोग ने 14 सितंबर 2023 को रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर का दौरा किया।

प्रयोगशाला द्वारा चल रही परमाणु रक्षा प्रौद्योगिकियों और विकसित किये जा रहे उत्पादों तथा परमाणु सेंसर एवं निगरानी प्रणालियों के क्षेत्र में प्रस्तावित भविष्य की प्रौद्योगिकियों के विकास पर एक तकनीकी प्रस्तुति दी गई।

श्री व्यास ने सशस्त्र बलों को परमाणु प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता के लिए अग्रणी अत्याधुनिक तकनीकों को आगे बढ़ाने में प्रयोगशाला के प्रयासों की सराहना की।

ईसा, दिल्ली

रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सलाहकार, पीवीएसएम, एवीएसएम (सेवानिवृत्त) एडमिरल करमबीर सिंह ने 05 सितंबर 2023 को पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा), दिल्ली का दौरा किया। विकसित उत्पादों, पद्धति विश्लेषण अध्ययनों का प्रदर्शन और प्रस्तुतियाँ दी गईं और खेलों का आयोजन हुआ। आगे की रणनीति को लेकर चर्चा हुई।

एचईएमआरएल, पुणे

एवीएम आर गुरुहरि, एसीएएस (डब्ल्यूपीएन) ने 27 सितंबर 2023 को उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल), पुणे का दौरा किया। यात्रा के दौरान, वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा आईआर फ्लेयर्स, ईएएक्स/पावर कार्ट के स्वदेशीकरण, पेचोरा मिसाइलों और हॉक 132 विमानों के लिए मिनिएचर डेटोनेटिंग कॉर्ड्स (एमडीसी) के विकास पर प्रस्तुतियां दी गईं। उन्होंने एचईएमआरएल में भारतीय वायुसेना परियोजनाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने आईआर फ्लेयर्स और एमडीसी सुविधाओं का भी दौरा किया और पीके–21 एम–2 फायरिंग परीक्षणों को देखा।

एलआरडीई, बेंगलुरु

आईडीएएस 2022 समुह के प्रोबेशनर्स के सत्रह प्रतिनिधियों ने सामान्य रूप से डीआरडीओ और एलआरडीई एवं इसकी उपलब्धियों के बारे में जानने के लिए 22 अगस्त 2023 को इलेक्ट्रॉनिक्स और रडार विकास प्रतिष्ठान (एलआरडीई), बेंगलुरु का दौरा किया। श्री विश्वम जी, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एलआरडीई ने आगंतुकों को संबोधित किया, और डॉ ए वेंगदाराजन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक ने एलआरडीई की परियोजनाओं पर एक प्रस्तुति दी। प्रतिनिधियों को बैटल फील्ड सर्विलांस रडार (बीएफएसआर) पर एक प्रदर्शन भी दिया गया और उन्हें एलआरडीई की रडार गैलरी में ले जाया गया, जहां रडार मॉडल और अन्य रडार प्रदर्शित किए गए।

एनएमआरएल, अंबरनाथ

डॉ एसवी कामत, सचिव, डीडी आरएंडडी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ ने एनएमआरएल द्वारा निष्पादित की जा रही विभिन्न परियोजनाओं सहित 'भारतीय नौसेना पनडुब्बियों के लिए ईंधन सेल–आधारित एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन सिस्टम (एआईपी) की प्रगति की समीक्षा करने के लिए 30 सितंबर 2023 को नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ का दौरा किया। श्री पीटी रोजतकर, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएमआरएल ने डॉ कामत और डॉ वाई श्रीनिवास राव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएसएंडएम) का स्वागत किया। संबंधित परियोजना टीमों द्वारा एआईपी कार्यक्रम और अन्य चल रही परियोजनाओं की स्थिति के बारे में जानकारी प्रदान की गई। एआईपी के विभिन्न पहलुओं पर मेसर्स एलएंडटी और आरएंडडीई (ई) द्वारा प्रस्तुतियां भी दी गईं। इसके बाद, एनएमआरएल ने भविष्य में की जाने वाली अनुसंधान गतिविधियों का एक रोड मैप प्रस्तुत किया। तत्पश्चात, डॉ कामत ने एआईपी के जोखिम रहित परीक्षणों को देखने के लिए एनएमआरएल की भूमि–आधारित प्रोटोटाइप (एलबीपी) साइट का दौरा किया। उन्होंने भारतीय नौसेना के लिए विभिन्न उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए एनएमआरएल द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की और नौसेना सामग्री के क्षेत्र में उन्नत तथा विशिष्ट प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान एवं विकास की आवश्यकता पर जोर दिया।

एनएमआरएल वैज्ञानिक द्वारा डॉ एसवी कामत को एचईएयूवी के लिए ईंधन सेल-आधारित कैप्सूल पावर प्लांट का प्रदर्शन किया गया

डीआरडीओ समाचार अपने पाठकों को दिवाली २०२३ की हार्दिक शुभकामनाएं देता है।